यहाँ पर भरा हुआ LOs आपकी मदद के लिए नमूना मात् र है ,किसी प् रकार की त् रुटि नजर आने पर विभागीय नियम ही मान् य होंगे .

नेशनल एचीवमेंट सर्वे 2021

सीखने के प्रतिफल (L.Os.) एवं पाठ्यपुस्तक और चैकलिस्ट संकेतक की मैपिंग

नाम विद्यालय – रा. बा. उ. प्रा. वि. खोरालाड़खानी
जिले का नाम – जयपुर
ब्लॉक – शाहपुरा
पीईईओ का नाम – रा. उ. मा. वि. खोरालाडखानी
विषय – सामाजिक विज्ञान कक्षा – VIII
विषयाध्यापक – मुकेश कुमार शर्मा

क्र.स.	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का सन्दर्भ (अध्याय संख्या व पृष्ठ संख्या) (2)
1.	कच्चे माल, आकार तथा स्वामित्व के आधार पर विभिन्न प्रकार के उद्योगों को वर्गीकृत करते हैं।	अ.स. 5 (पृ. क्र. 25–29) (भाग 3)
2.	अपने क्षेत्र / राज्य की प्रमुख फसलो, कृषि के प्रकारो तथा कृषि पद्धतियों का वर्णन करते हैं।	भाग-2 अ. स. 4 (पृ. स. 38-47)
3.	विश्व के मानचित्र पर जनसंख्या के असमान वितरण के कारणो की व्याख्या करते हैं।	भाग 3 अ. स. 4 (पृ. स. 16–23)
4.	वनो की आग (दावानल), भूस्खलन, औद्योगिक आपदाओ के कारणो और उनके जोखिम को कम करने के उपायो का वर्णन करते हैं।	भाग 2 अ. स. 2 (पृ. स. 7–21)
5.	महत्वपूर्ण खनिजो, जैसे – कोयला तथा खनिज तेल के वितरण को विश्व के मानचित्र पर अंकित करते हैं।	भाग 2 अ. स. 3 (पृ. स. 22–37)
6	पृथ्वी पर प्राकृतिक तथा मानव निर्मित संसाधनो के असमान वितरण का विश्लेषण करते हैं।	भाग 2 अ. स. 6 (पृ. स. 62–71)
7.	विश्व के विभिन्न क्षेत्रो में कृषि के प्रकारो तथा विकास मे संबंध स्थापित करते हैं।	भाग 2 अ. स. 4 (पृ. स. 38–47)

studywithrsm.com

मुकेश शर्मा

8.	सभी क्षेत्रो में विकास को बनाए रखने के लिए प्राकृतिक संसाधनो, जैसे जल, मृदा, वन इत्यादि के विवेकपूर्ण उपयोग के संबंध को तर्कपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करते है।	भाग 2 अ.स. 2 (पृ.स. 7-21)
9.	ऐसे कारको का विश्लेषण करते है जिनके कारण कुछ देश प्रमुख फसलो जैसे गेहूँ, चावल, कपास, जूट इत्यादि का उत्पादन करते है। बच्चे इन देशो को विश्व के मानचित्र पर अंकित करते है।	भाग 3 अ.स. 5 (पृ.स. 24-29)
10.	विभिन्न देशो / भारत / राज्यों की जनसंख्या को दंड आरेख द्वारा प्रदर्शित करते है।	भाग 3 अ.स. 4 (पृ.स. 16-23)
11.	स्रोतो के इस्तेमाल, भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न क्षेत्रो के लिए प्रयुक्त नामावली और व्यापक बदलावों के आधार पर आधुनिक काल का 'मध्यकाल' और 'प्राचीनकाल' से अंतर करते है।	भाग 3 अ.स. 8 (पृ.स. 45-54)
12	इंगलिश ईस्ट इंडिया कंपनी कैसे सबसे प्रभावशाली शक्ति बन गई बताते है।	भाग 1 अ.स. 2 (पृ.स. 9)
13.	देश के विभिन्न क्षेत्रो में औपनिवेशिक कृषि नीतियों के प्रभाव में अन्तर बताते है जैसे 'नील विद्रोह'	भाग 1 अ.स. 6 (पृ.स. 65)
14.	19 वीं शताब्दी में विभिन्न आदिवासी समाज के रूपों और पर्यावरण के साथ उनके संबंधो का वर्णन करते है।	भाग 1 अ.स. 4 (पृ.स. 39)
15.	आदिवासी समुदायो के प्रति औपनिवेशिक प्रशासन की नीतियो की व्याख्या करते है।	भाग 1 अ.स. 4 (पृ.स. 39-50)
16.	1857 के विद्रोह की शुरूआत, प्रकृति और फैलाव और इससे मिले सबक का वर्णन करते है।	भाग 3 अ.स. 2 (पृ.स. 5-10)
17.	भारत में नई शिक्षा प्रणाली के संस्थानीकरण के बारे में बताते है।	भाग 3 अ.स. 8 (पृ.स. 45-54)

studywithrsm.com

18.	कला के क्षेत्र मे आधुनिक काल के दौरान हुई प्रमुख घटनाओ की रूपरेखा तैयार करते है।	भाग 3 अ.स. 10 (पृ.स. 64-72)
19.	1870 के दशक से लेकर आजादी तक भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन की रुपरेखा तैयार करते है।	भाग 3 अ.स. 8 (पृ. 45-54)
20.	मौलिक अधिकारो व कर्त्तव्यों को समुचित उदाहरणो से स्पष्ट करते है।	भाग 3 अ.स. 1 (पृ.स. 1-17)
21.	मौलिक अधिकारो की अपनी समझ से किसी दी गई स्थिति, जैसे बाल अधिकार के उल्लंघन, संरक्षण और प्रोत्साहन की स्थिति को समझते है।	भाग 3 अ.स. 1 (पृ.स. 1-17)
22.	राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के बीच अंतर करते हैं।	भाग 3 अ.स. 3 (पृ.स. 30-41)
23.	लोकसभा के चुनाव की प्रक्रिया का वर्णन	भाग 3 अ.स. 3 (पृ.स. 30-41)
24.	कानून बनाने की प्रक्रिया का वर्णन करते है. (घरेलू हिंसा से स्त्रियो का बचाव अधिनियम, सूचना का अधिकार अधिनियम, शिक्षा का अधिकार अधिनियम)	भाग 3 अ.स. 4 (पृ.स. 42-53)
25.	भारत में न्यायिक प्रणाली की कार्यविधि का कुछ प्रमुख मामलों का उदाहरण देकर वर्णन करते है।	भाग 3 अ.स. 5 (पृ.स. 54-65)
26.	एक प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज करने की प्रक्रिया को प्रदर्शित करते है।	भाग 3 अ.स. 6 (पृ.स. 66-77)
27.	पानी, सफाई, सड़क, बिजली, आदि जन सुविधाएँ उपलब्ध कराने मे सरकार की भूमिका की पहचान करते है।	भाग 3 अ.स. 7 (पृ.स. 39-44)
28.	अपने क्षेत्र के सुविधा वंचित वर्गो की उपेक्षा के कारणो और परिणामों का विश्लेषण करते है।	भाग 3 अ.स. 7 (पृ.स. 80-93)

प्रधानाध्यापक
रा. बा. उ. प्रा. वि.
खोरालाड़खानी (शाहपुरा)

studywithrsm.com

नेशनल एचीवमेंट सर्वे 2021
सीखने के प्रतिफल (L.Os.) एवं पाठ्यपुस्तक और चैक लिस्ट संकेतक की मैपिंग

नाम विद्यालय - रा. बा. उ. प्रा. वि. खोरालाड़खानी
जिले का नाम - जयपुर
ब्लॉक - शाहपुरा
पीईईओ का नाम - रा. उ. मा. वि. खोराबाड़खानी
विषय - गणित कक्षा - VIII
विषयाध्यापक - जयन्ती सोगरा

क्रम संख्या	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का सन्दर्भ (अध्याय संख्या व पृष्ठ संख्या) (2)
1.	परिमेय संख्याओं में योग, अंतर, गुणन तथा भाग के गुणों का एक पैटर्न द्वारा सामान्यीकरण करते हैं।	अध्याय संख्या 1 परिमेय संख्याएँ पृष्ठ संख्या 1 से 16
2.	दो परिमेय संख्याओं के बीच अनेक परिमेय संख्याएँ ज्ञात करते हैं।	पृष्ठ संख्या 18 से 21
3.	चरो का प्रयोग कर दैनिक जीवन की समस्याएं तथा पहेली हल करते हैं।	अध्याय सं. 2 एक चर वाले रै. स. पृष्ठ संख्या 25 से 39
4.	समान्तर चतुर्भुज के गुणधर्मों का सत्यापन करते हैं तथा उनके बीच तर्क द्वारा संबंध स्थापित करते हैं।	अध्याय स. 3 चतुर्भुजो को समझना पृ. स. 41 - 61
5.	पैमाना (स्केल) तथा परकार के प्रयोग से विभिन्न चतुर्भुज की रचना करते हैं।	अ. स. 4 प्रायोगिक ज्यामिति पृ. स. 63 - 72
6.	दंड आलेख तथा पाई आलेख बनाकर उनकी व्याख्या करते हैं।	अ. स. 5 आंकड़ो का प्रबन्धन पृ. स. 73 - 87 / अ. स. 15 पृ. स. 241 - 25[illegible]
7.	किसी घटना के पूर्व में घटित होने या पासे या सिक्को की उछाल के आँकड़ो के आधार पर भविष्य में होने वाली ऐसी घटनाओं के घटित होने के लिए अनुमान लगाते हैं।	अध्याय स. 5. आंकड़ो का प्रबन्धन पृ. स. 88 - 93
8.	संख्याओं का वर्ग, वर्गमूल विभिन्न तरीको से ज्ञात करते हैं।	अध्याय स. 6 वर्ग और वर्गमूल पृ. स. 95 - 116
9.	संख्याओं का घन और घनमूल विभिन्न तरीको से ज्ञात करते हैं।	अ. स. 7 घन और घनमूल पृ. स. 117 - 124

studywithrsm.com

जयन्ती

10.	समानुपात तथा व्युत्क्रमानुपात पर आधारित प्रश्न हल करते हैं।	अ.स.13 सीधा और प्रतिलोम समानुपात पृ.स. 204–224
11.	प्रतिशत की अवधारणा का प्रयोग लाभ तथा हानि की स्थितियों मे छूट की गणना, जडा, चक्रवृद्धि ब्याज की गणना के लिए करते हैं, जैसे अंकित मूल्य तथा वास्तविक छूट दी गई हो तो छूट प्रतिशत ज्ञात करते हैं अथवा क्रय मूल्य तथा लाभ की राशि दी हो तो लाभ प्रतिशत ज्ञात करते हैं।	अ.स.8 राशियों की तुलना पृ.स. 128–144
12.	बीजीय व्यंजको को गुणा करते हैं जैसे (2x–5) (3x+7) का विस्तार करते हैं।	अ.स.14 गुणनखंड पृ.स. 225–238
13.	विभिन्न सर्वसमिकाओ का उपयोग दैनिक जीवन की समस्याओ को हल करने के लिए करते हैं।	अ.स.9- बीजीय व्य. एवं सर्वसमिकाएँ पृ.सं. 157–162
14.	3D आकृतियों को समतल जैसे कागज के पन्ने, श्यामपट आदि पर प्रदर्शित करते हैं।	अ.स.10 ठोस आकारो का चित्रण पृ.स. 163–173
15.	पैटर्न के माध्यम से यूलर संबंध का सत्यापन करते हैं।	पृ.स. 173–176
16.	समलंब चतुर्भुज तथा अन्य बहुभुज के क्षेत्रफल का अनुमानित मान इकाई वर्ग ग्रिड / ग्राफ पेपर के माध्यम से करते हैं तथा सूत्र द्वारा उसका सत्यापन करते हैं।	अ.स.11 क्षेत्रमिति पृष्ठ स. 177–183
17.	बहुभुज का क्षेत्रफल ज्ञात करते हैं।	पृ.स. 183–187
18.	घनाभाकार तथा बेलनाकार वस्तुओं का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन ज्ञात करते हैं।	पृ.स. 187–200
19.	पूर्णांक घातों वाली समस्याएँ हल करते हैं।	अ.स.12 घातांक और घात पृ.स. 201–208
20.	2, 3, 4, 5, 6, 9 तथा 11 से विभाजन के नियम को सिद्ध करते हैं।	अ.स.16 संख्याओ के साथ खेल पृ.स. 268–272
21.	कोणों के योग के गुणधर्म का प्रयोग कर चतुर्भुज के कोणों से संबंधित समस्याएँ हल करते हैं।	अ.स.3, पृ.स. 44–48

studywithrsm.com

प्रधानाध्यापक
रा. बा. उ. प्रा. वि.
खोरालाडखानी (शाहपुरा)

जयन्ती

नेशनल एचीवमेंट सर्वे 2021

सीखने के प्रतिफल (L.Os.) एवं पाठ्यपुस्तक और चैकलिस्ट संकेतक की मैपिंग

नाम विद्यालय – रा. बा. उ. प्रा. वि. खोरालाड़खानी
जिले का नाम – जयपुर
ब्लॉक – शाहपुरा
पीईईओ का नाम – रा. उ. मा. वि. खोरालाड़खानी
विषय – विज्ञान कक्षा – VIII
विषयाध्यापक – जयन्ती सोगरा

क्र.स.	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का सन्दर्भ (अध्याय संख्या व पृष्ठ संख्या) (2)
1.	पदार्थों और जीवों में गुणों, संरचना एवं कार्यों के आधार पर भेद करते हैं जैसे प्राकृतिक एवं मानव निर्मित रेशों, संपर्क और असंपर्क बलों, विद्युत चालक और विद्युत रोधक के रूप में द्रव पदार्थों, पौधों और जंतुओं की कोशिकाओं, पिंडज और अंडज जन्तुओं में आदि।	अ.स. 3 (पृ.स. 32-36), अ.स. 11 (पृ.स. 127-136), अ.स. 14 (पृ.स. 173-177), अ.स. 8 (पृ.स. 90-91), अ.स. 9 (पृ.स. 105)
2.	पदार्थों, जीवों और प्रक्रियाओं को अवलोकन योग्य गुणों के आधार पर वर्गीकृत करते हैं, जैसे धातुओं और अधातुओं, खरीफ और रबी फसलों, उपयोगी और हानिकारक सूक्ष्मजीवों, लैंगिक व अलैंगिक प्रजनन, खगोलीय पिंडों, समाप्त होने वाले एवं अक्षय प्राकृतिक संसाधन आदि।	अ.स. 4 (पृ.स. 44-53), अ.स. 1 (पृ.स. 1-11), अ.स. 2 (पृ.स. 19-25), अ.स. 9 (पृ.स. 100-109), अ.स. 17 (पृ.स. 215-233), अ.स. 5 (पृ.स. 56-62)
3.	प्रश्नों के उत्तर ज्ञात करने के लिए सरल छानबीन करते हैं, जैसे दहन के लिए आवश्यक शर्तें, हम आचार मुरब्बों में नमक और चीनी क्यों मिलाते हैं? क्या द्रव समान गहराई पर समान दाब डालते हैं	अ.स. 6 (पृ.स. 64-69), अ.स. 2 (पृ.स. 26), अ.स. 11 (पृ.स. 137-141)
4.	प्रक्रियाओं और परिघटनाओं की व्याख्या करते हैं जैसे मनुष्य और जन्तुओं में प्रजनन, ध्वनि का उत्पन्न होना तथा संचरण, वि. धारा के रा. प्रभाव, बहुप्रतिबिम्बों का बनना, ज्वाला की संरचना आदि।	अ.स. 9 (पृ.स. 100-106), अ.स. 13 (पृ.स. 157-163), अ.स. 14 (पृ.स. 176-180)

studywithrsm.com

जयन्ती

5.	प्रक्रियाओं और परिघटनाओं को कारणों से संबंधित करते हैं, जैसे - हवा में प्रदूषकों की उपस्थिति के कारण धूम्र कोहरे का बनना, अम्ल वर्षा के कारण स्मारकों का क्षरण आदि।	अ.स. 18 (पृ.स. 239–253)
6.	रा० अभिक्रियाओं, जैसे धातुओं और अधातुओं की वायु, जल तथा अम्लों के साथ अभिक्रियाओं के लिए शब्द समीकरण लिखते हैं।	अ.स. 5 (पृ.स. 58–60)
7.	आपतन और परावर्तन कोणों आदि का मापन करते हैं।	अ.स. 16 (पृ.स. 199–203)
8.	सूक्ष्मजीवों, प्याज की झिल्ली, मानव गाल की कोशिकाओं आदि के स्लाइड तैयार करते हैं और उनसे संबंधित सूक्ष्म लक्षणों का वर्णन करते हैं।	अ.स. 2 (पृ.स. 18–20) अ.स. 8 (पृ.स. 90–91)
9.	नामांकित चित्र / फ्लो चार्ट बनाते हैं जैसे - कोशिका की संरचना, आँख, मानव जनन अंगों व प्रयोग संबंधी व्यवस्थाएँ आदि।	अ.स. 8 (पृ.स. 96) अ.स. 16 (पृ.स. 206) अ.स. 9 (पृ.स. 101–105) अ.स. 15 (पृ.स. 173–179)
10.	अपने परिवेश की सामग्रियों का उपयोग कर मॉडलों का निर्माण करते हैं और उनकी कार्यविधि की व्याख्या करते हैं जैसे - इकतारा, लेक्ट्रोस्कोप, अग्नि शामक यंत्र आदि।	अ.स. 13 (पृ.स. - 159) अ.स. 16 (पृ.स. 209) अ.स. 6 (पृ.स. 69)
11	वैज्ञानिक अन्वेषणों की कहानियों पर परिचर्चा करते हैं और उनका महत्व समझते हैं।	अ.स. 8 (पृ.स. 90) अ.स. 16 (पृ.स. 209–210) अ.स. 2 (पृ.स. 20–21)
12.	डिजाइन बनाने, योजना बनाने एवं उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने में रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हैं।	अ.स. 6 (पृ.स. 69) अ.स. 12 (पृ.स. 156) अ.स. 13 (पृ.स. 159)

studywithrsm.com

13.	वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझकर दैनिक जीवन में प्रयोग करते हैं, जैसे अम्लीयता से निपटना, मिट्टी की जाँच एवं उसका उपचार, संक्षारण को रोकने के विभिन्न उपाय, कायिक प्रवर्धन के द्वारा कृषि, दो अथवा दो से अधिक विद्युत सेलों का विभिन्न विद्युत उपकरणों में संयोजन, विभिन्न आपदाओं के दौरान व उनके बाद उनसे निपटना, प्रदूषित पानी के पुनः उपयोग हेतु उपचारित करने की विधियाँ सुझाना आदि।	अ.स.1 (पृ.स. 2) अ.स.14 (पृ.स. 178-179) अ.स.14 (पृ.स. 172-174) अ.स. 15 (पृ.स. 188-195) अ.स.18 (पृ.स. 257-258)
14	पर्यावरण की सुरक्षा हेतु प्रयास करते हैं, जैसे संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करके, उर्वरकों और कीटनाशकों का नियंत्रित उपयोग करके, पर्यावरणीय खतरों से निपटने के सुझाव देकर आदि।	अ.स. 3 (पृ.स. 38-39) अ.स. 5 (पृ.स. 61) अ.स. 18 (पृ.स. 256) अ.स. 15 (पृ.स. 188-189)
15.	ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता, सहयोग, भय एवं पूर्वाग्रहों से मुक्ति जैसे मूल्यों को प्रदर्शित करते हैं।	अ.स. 1 – 18 (पृ.स. 1 – 259)

studywithrsm.com

जयन्ती

प्रधानाध्यापक
रा. बा. उ. प्रा. वि.
खोरालाडखानी (शाहपुरा)

नेशनल एचीवमेंट सर्वे 2021
सीखने के प्रतिफल (L.Os.) एवं पाठ्यपुस्तक और चैकलिस्ट संकेतक की मैपिंग

नाम विद्यालय - रा.बा.उ.प्रा.वि. खोरालाडखानी
जिले का नाम - जयपुर
पीईईओ का नाम - रा.आ.उ.मा.वि. खोरालाडखानी
विषय - हिन्दी कक्षा - VIII
विषयाध्यापक - रीना शर्मा

क्रम संख्या	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का सन्दर्भ (अध्याय संख्या व पृष्ठ संख्या) (2)
1.	विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं, जैसे पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं।	अध्याय संख्या - 17 अध्याय का नाम - बाज और साँप पृष्ठ संख्या - 112-118
2.	हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली कहानी जानकारीपरक सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।	अध्याय संख्या - 11 अध्याय का नाम - जब सिनेमा ने बोलना सीखा। पृष्ठ संख्या - 62-69
3.	पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।	अध्याय संख्या - 7 अध्याय का नाम - क्या निराश हुआ जाए पृष्ठ-संख्या 37-44
4.	अपने परिवेश में मौजूद लोक-कथाओं और लोक-गीतों के बारे में बताते या सुनाते हैं।	अध्याय संख्या - 14. अकबरी लोटा पृष्ठ संख्या 83-94
5.	पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं।	अध्याय संख्या - 16 पानी की कहानी पृष्ठ संख्या - 98-108
6.	विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीतिरिवाजों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों, या परिवार से प्रश्न करते हैं, जैसे - अपने मोहल्ले के लोगों से त्योहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना।	अध्याय संख्या - 18 टोपी पृष्ठ संख्या 119-130

studywithrsm.com

रीना

7.	अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।	अध्याय संख्या 7 क्या निराश हुआ जाए पृष्ठ संख्या 37-45
8.	अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे-कविता, कहानी, निबंध आदि।	अध्याय संख्या 9 कबीर की साखियाँ 57-
9.	पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उनपर अपने मन में बनने वाली छवियों को ब्रेल भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।	अध्याय संख्या-5 चिट्ठियों की अनूठी दुनिया पृष्ठ संख्या - 23-29
10.	किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं, जैसे अपने आस-पास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं - रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती?।	अध्याय संख्या - 2, लाख की चूड़ियाँ पृष्ठ संख्या 5-12
11.	विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं।	अध्याय संख्या 13 जहाँ पहिया है। पृष्ठ संख्या 74-81
12.	पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।	अध्याय संख्या - 16 पानी की कहानी पृष्ठ संख्या 98-108
13	विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।	अध्याय संख्या - 10 कामचोर पृष्ठ संख्या - 54-61
14.	कहानी कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे- वर्णनात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि।	अध्याय संख्या 2 बस की यात्रा पृष्ठ संख्या 13-19
15.	विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं।	अध्याय संख्या - 6 भगवान के डाकिए पृष्ठ संख्या 31-33

studywithrsm.com

बीना

16	किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे-शब्दकोश, विश्वकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।	अध्याय संख्या - 5 चींटी की अनूठी दुनिया पृष्ठ संख्या - 23-29
17.	अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।	अध्याय संख्या - 8 यह सबसे कठिन समय नहीं पृष्ठ संख्या 45-47
18.	पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित या ब्रेल भाषा में अभिव्यक्ति करते हैं।	अध्याय संख्या - 11 जब सिनेमा ने बोलना सीखा - पृष्ठ संख्या 62-69
19.	भाषा की बारीकियों / व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।	अध्याय संख्या 15 सूर के पद पृष्ठ संख्या 95-97
20.	विभिन्न अवसरों / संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे-स्कूल के किसी कार्यक्रम की रिपोर्ट बनाना या फिर अपने गाँव के मेले के दुकानदारों से बातचीत।	अध्याय संख्या - 2 लाख की चूड़ियाँ पृष्ठ संख्या - 5-12
21.	अपने अनुभवों को अपनी भाषा-शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं, जैसे विभिन्न तरीको से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना।	अध्याय संख्या 13 जहाँ पहिया है। पृष्ठ संख्या - 74-81
22.	दैनिक जीवन से अलग किसी घटना या स्थिति पर विभिन्न तरीके से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं, जैसे-सोशल मीडिया पर, नोटबुक पर या संपादक के नाम पत्र आदि।	अध्याय संख्या - 6 भगवान के डाकिए पृष्ठ संख्या - 31-33
23.	विविध कलाओं, जैसे - हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा (रजिस्टर) का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं, जैसे-कला के बीज बोना, मनमोहक मुद्राएँ, रस की अनुभूति।	अध्याय संख्या - 9 कबीर की साखियाँ पृष्ठ संख्या - 51-53

प्रधानाध्यापक
रा. बा. उ. प्रा. वि.
खोरालाड़जी (शाहपुरा)
मीना

studywithrsm.com

नेशनल एचीवमेंट सर्वे 2021

सीखने के प्रतिफल (L.Os.) एवं पाठ्यपुस्तक और चैक लिस्ट संकेतक की मैपिंग

नाम विद्यालय : राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय खोरालाडखानी (शाहपुरा)
जिले का नाम : जयपुर
ब्लॉक : शाहपुरा
पीईईओ का नाम : रा० उ० मा० वि० खोरालाडखानी
विषय : पर्यावरण
कक्षा: 5

क्रम संख्या	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का संदर्भ (अध्याय संख्या और पृष्ठ संख्या) (2)	चैक लिस्ट संकेतक सरेखण (3)
1.	पशु-पक्षी की आम संवेदी इन्द्रियों और असाधारण लक्षणों के आधार पर पहचानते तथा जीवन के प्रति उनकी प्रतिक्रिया की व्याख्या करते हैं।	वृक्षों की महिमा अध्याय-7 पृष्ठ संख्या - 35	परिवेश में उपलब्ध जीव-जन्तु/परिवार/पेड़-पौधों व खेलों से सम्बंधित सूचनाओं को बता पाना।
2.	पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं तथा मनुष्यों में परस्पर निर्भरता का वर्णन करते हैं।	जीव-जन्तुओं की निराली दुनिया अध्याय- 8 पृष्ठ - 40	वन सम्पदा की जानकारी कर पाना।
3.	दैनिक जीवन में उपयोगी विभिन्न संस्थाओं की भूमिका तथा कार्यों का वर्णन करते हैं।		विभिन्न अनुभवों के आधार पर परिवेश व संस्कृति की व्याख्या कर पाना।
4	भू-भागों, जलवायु, संसाधनों तथा सांस्कृतिक जीवन में आपसी सम्बन्ध स्थापित करते हैं।	तरह-तरह के घर अध्याय - 12	
5.	वस्तुओं, सामग्री तथा गतिविधियों		

studywithrsm.com

Be Positive Rainbow - Youtube

क्रम संख्या	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का संदर्भ (अध्याय संख्या और पृष्ठ संख्या) (2)	चैक लिस्ट संकेतक संरेखण (3)
	का इनकेस (अंगों) और गुणों के आधार पर समूह बनाते हैं।		
6.	वर्तमान तथा अतीत में धार्मिक आदतों / पद्धतियों, प्रथाओं, तकनीकों में आए अंतर का विश्लेषण आदि।	हमारी विरासत अध्याय – 23	सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना
7.	परिघटनाओं की स्थितियों और गुणों का अनुमान लगाते हैं। स्थान संबंधी मात्राओं दूरी, क्षेत्रफल, आयतन, भार का अनुमान लगाते हैं।	तरह-तरह के घर अध्याय – 18, पृष्ठ – 92 अब आई आपदा अध्याय – 19 पृष्ठ – 96	ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों की पहचान कर पाना।
8.	अवलोकनों, अनुभवों तथा जानकारियों को एक व्यवस्थित क्रम में रिकार्ड करते हैं।	पहाड़ों पर चोट अध्याय – 24	पर्वतारोहण के दौरान होने वाली एक निश्चित क्रम में होने वाली प्रक्रियाओं को पहचान पाना।
9.	संकेतों, दिशाओं, विभिन्न वस्तुओं की स्थितियों, इलाके के खास चिह्नों और भ्रमण किए गए स्थलों को मानचित्र में पहचानते हैं तथा विभिन्न स्थलों की स्थितियों के संदर्भ में दिशाओं का अनुमान	हमारी पृथ्वी व अंतरिक्ष अध्याय – 25	विभिन्न प्रकार के किले / दुर्ग और यातायात के साधनों एवं सौरमंडल के ग्रहों में समानता / असमानता के आधार पर समूह बनाकर पहचान कर पाना।

studywithrsm.com

रा. प्रा. वि.
खोरालाड़खानी (शाहपुरा)

Be Positive Rainbow - Youtube

क्रम संख्या	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का संदर्भ (अध्याय संख्या और पृष्ठ संख्या) (2)	चैक लिस्ट संकेतक संरक्षण (3)
	लगाते हैं।		
10.	आस-पास भ्रमण किए गए स्थानों के पोस्टर, डिजाइन, मॉडल, ढाँचे, स्थानीय सामग्रियों चित्र, नक्शे विविध स्थानीय और बेकार वस्तुओं से बनाते हैं।	जीवन है अनमोल, अध्याय - 2, पृष्ठ संख्या - 109	भ्रमण व जीवन के बारे में ज्ञान पायेंगे।
11.	अवलोकन और अनुभव किए गए मुद्दों पर आवाज उठाकर अपने मत व्यक्त करते हैं। और व्यापक सामाजिक मुद्दों को समाज में प्रचलित रीतियों / घटनाओं आदि से जोड़ते हैं।	हमारे गौरव - III अपना जिला अध्याय - 16, 17	प्रेरक व्यक्तित्व / गौरवशाली लोगों का सम्मान और उनके कार्यों की प्रशंसा कर पाना।
12	स्वच्छता, स्वास्थ्य, आश्रितों के प्रबंधन, आपदा / आपातकालीन स्थितियों से निपटने के संबंध में तथा संसाधनों की रक्षा हेतु सुझाव देते हैं तथा सुविधावंचितों के प्रति संवेदना दर्शाते हैं।	मिलकर करें सफाई अध्याय - 4 पृष्ठ संख्या - 18	स्वच्छता को महत्व देते हुए पर्यावरण के प्रति जागरूक रह पाना।

studywithrsm.com

प्रधानाध्यापक
रा. ... वि.
खोरालाड़खाना (शाहपुरा)

Be Positive Rainbow - Youtube

नेशनल एचीवमेंट सर्वे 2021

सीखने के प्रतिफल (L.Os.) एवं पाठ्यपुस्तक और चैक लिस्ट संकेतक की मैपिंग

नाम विद्यालय : रा० बा० उ० प्रा० वि० खोरालाडखानी
जिले का नाम : जयपुर
ब्लॉक : शाहपुरा
पीईईओ का नाम : रा० उ० मा० वि० खोरालाडखानी
विषय : हिन्दी
कक्षा : 5

क्रम संख्या	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का संदर्भ (अध्याय संख्या और पृष्ठ संख्या) (2) पाठ	पृष्ठ	चैक लिस्ट संकेतक [illegible] (3)
1.	सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं की विषयवस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं।	1	3-7 भाग-1	लय ताल के साथ गा पाना व देश भक्ति की भावना जाग्रत होना
2	अपने आस पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं।	2	8-11 "	अपने आस पास की घटनाओं का क्रमबद्ध रूप से लिख पाना
3	भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी (मौखिक) भाषा गढ़ते हैं।	3	12-16 "	अपने अनुभव के आधार पर सहजता के साथ विचार रख पाना।

studywithrsm.com

Be Positive Rainbow - Youtube

क्रम संख्या	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का संदर्भ (अध्याय संख्या और पृष्ठ संख्या) (2) पाठ पृष्ठ सं. भाग	चैक लिस्ट संकेतक संरेखण (3)
4	विविध प्रकार की सामग्री (अखबार, बालसाहित्य, पोस्टर) में आए संवेदनशील बिन्दुओं पर (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं।	4 18-21 1	पाठ्य सामग्री के मूलभाव को एवं विचार को स्पष्टतः अभिव्यक्त कर पाना
5	विभिन्न परिस्थितियों और उद्देश्यों के लिए पढ़ते और लिखते हैं।	5 22-26 "	सुनकर समझना व लिख पाना।
6	अपनी पाठ्य पुस्तक से इतर सामग्री को समझते हुए पढ़ते और उसके बारे में बताते हैं।	5 22-26 "	सहायक सामग्री के माध्यम से समझ पाना
7	सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं की विषयवस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं। प्रश्न पूछते हैं।	7, 34-38 "	कहानी को पढ़कर प्रश्न पूछ पाना व उत्तर दे पाना
8	अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजते हैं।	8 5-8 भाग-2	नये शब्दों का अर्थ समझ पाना
9	स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अन्तर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जांचते हैं।	9 9-12	स्वयं द्वारा लिखा गया उसकी जांच कर पाना

studywithrsm.com

Be Positive Rainbow - Youtube

क्रम संख्या	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का संदर्भ (अध्याय संख्या और पृष्ठ संख्या) (2) पाठ	पृष्ठ सं.	चैक लिस्ट संकेतक संरेखण (3)
10	भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं	10	14-18	सहजता के साथ विचार लिख पाना
11	भाषा की व्याकरणिक इकाइयों की पहचान करते हैं और उनके प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं	11	19-21	भाव समझकर व्याकरण दृष्टि से शुद्ध लिख पाना
12	अपने लेखन में विराम चिह्नों का सचेत इस्तेमाल करते हैं	12	22-27	लेखन में विराम चिह्नों का सही प्रयोग कर
13	स्तरानुसार अन्य विषयों में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझते हैं और संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं	13	29-31	बालक पाठ को समझकर क्रमबद्ध रूप से अपने शब्दों में लिख पाना
14	उद्देश्य और संदर्भ के अनुसार शब्दों, वाक्यों, विराम-चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए लिखना	14	32-36	विराम चिह्नों का प्रयोग कर पाना
15	पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए संवेदनशील बिन्दुओं पर अभिव्यक्त करते हैं	5	22-26	पाठ्यपुस्तक को पढ़कर संवेदनशील बिन्दुओं को अभिव्यक्त कर पाना
16	अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं इनको आगे बढ़ाते हैं	7	34-38	बालक अपनी कल्पना से लेख लिख पाना

studywithrsm.com

Type your text
Be Positive Rainbow - Youtube
Type your text

खोरासी... (शाहपुरा)

नेशनल एचीवमेंट सर्वे 2021

सीखने के प्रतिफल (L.Os.) एवं पाठ्यपुस्तक और चैक लिस्ट संकेतक की मैपिंग

नाम विद्यालय : रा० बा० उ० प्रा० विद्यालय खोरालाडखानी
जिले का नाम : जयपुर
ब्लॉक : शाहपुरा
पीईईओ का नाम : रा. उ. मा. वि. खोरालाडखानी शाहपुरा
विषय : गणित
कक्षा: 5

क्र.सं.	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का संदर्भ (अध्याय संख्या और पृष्ठ संख्या) (2)	चैक लिस्ट संकेतक अवलोकन (3)
1.	बड़ी संख्याओं पर कार्य करते है	अध्याय 1 और पृष्ठ से 99	तीन या चार अंक दिए
		" 102	गए होने पर तीन/चार
	परिवेश में उपयोग की		अंको की सर्वसम्भव संख्याएं
	जाने वाली 1000 से		बना पाना
	बड़ी संख्याओं को पढ		
	तथा लिख सकते है।		
	1000 से बड़ी संख्याओं पर स्थानीय मान को समझते हुए	अध्याय 1 और पृष्ठ से 103	पांच अंको की संख्याओं को पढने व लिखने व
	चार मूल संक्रियाएं करते है		तुलना करने की समझ
	मानक एल्गोरिथम द्वारा एक		बनाना
	संख्या से दूसरी संख्या को		
	भाग देते है।		
	जोड़ घटाव गुणन तथा	अध्याय 2 और पृष्ठ	जोड़ घटाव की इबारती
	भागफल का अनुमान	108	हल कर पाना व इबारती
	लगाते है तथा विभिन्न	अध्याय 3 और पृष्ठ	प्रश्नो को हल कर पाना
	तरीको का प्रयोग कर	110	गुणन समान गुणज

studywithrsm.com

Be Positive Rainbow - Youtube

क्रम संख्या	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का संदर्भ (अध्याय संख्या और पृष्ठ संख्या) (2)	चैक लिस्ट संकेतक संरेखण (3)
	उनकी पुष्टि करते हैं जैसे मानक एल्गोरिदम का प्रयोग या किसी दी गई संख्या को अन्य संख्याओं के जोड़ तथ्य के रूप में लिखकर संक्रिया का उपयोग करना	अध्याय 13 पृष्ठ सं. 112	सबसे छोटे गुणज को समझ पाना
2.	भिन्न के बारे में समझ अर्जित करना	अध्याय सं. 7 पृष्ठ सं. 136	भिन्नों की संख्या रेखा पर निरूपण कर पाना व उनकी तुलना कर पाना
–	समूह के हिस्से के लिए भिन्न की पहचान कर सकते हैं तथा समतुल्य भिन्न बनाते हैं	" पृष्ठ सं. 138	
–	दिए गए भिन्नों 1/2, 1/4, 1/5 को दशमलव संख्या को भिन्न को भिन्न के रूप में लिखते	" पृष्ठ सं. 138	तुल्य भिन्नों की अवधारणा को समझ पाना
3	कोणों तथा ~~दशमलव~~ संख्या व आकृतियों की अवधारणा की खोज करते हैं	अध्याय 14 पृष्ठ सं. 120	भिन्नों की तुलना कर पाना, तुल्य भिन्नों की अवधारणा समझ पाना
–	कोणों को आकृतियों, समकोण, न्यून कोण अधिक कोण में	अध्याय 14 पृष्ठ सं. 120	कोण बनने की स्थितियों कोणों के प्रकारों को एवं उनकी रचना व

studywithrsm.com

प्रधानाध्यापक
रा. बा. उ. प्रा. वि.
खोरालाड़खानी (शाहपुरा)

Be Positive Rainbow - Youtube

क्रम संख्या	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का संदर्भ (अध्याय संख्या और पृष्ठ संख्या) (2)	चैक लिस्ट संकेतक संरेखण (3)
	मे वर्गीकृत करते है	अध्याय 1 पृष्ठ सं. 126	व मापन करने की समझ पाना
	उन्हे बना सकते है व		
	खाका खींचते है (जैसे		
	अपने परिवेश मे उन		परिवेशीय संदर्भो के
	2D आकृतियो को पहचानते		आंकडो की सारणी को
	है जिसमे घूर्णन तथा		पढ पाना व आंकडो
	परावर्तन सममितता हो		की व्याख्या कर पाना
	जैसे अक्षर तथा		
	आकृति नेट का प्रयोग		
	करते हुए घन बेलन		
	शंकु बनाते है		
4	पैसा लम्बाई भार, आयतन	अध्याय 10 पृष्ठ सं. 98	विविध भौतिक राशियो
	तथा समय अंतराल		(भार, धारिता, लम्बाई
	से संबन्धित प्रश्नो को		समय व मुद्रा आदि)
	चार मूल गणितीय		का मानक इकाइयो मे
	संक्रियाओ का उपयोग		~~करना~~ व तुलना कर पाना
	करते है		
5	त्रिभुजीय संख्याओ	अध्याय 4 पृष्ठ सं. 116	क्षेत्रफल एवं परिमाप
	तथा वर्ग संख्याओ		की समझ बना पाना
	के पैटर्न पहचानते है		

studywithrsm.com

प्रधानाध्यापक
रा. ...
खोरालाड... (शाहपुरा)

Be Positive Rainbow - Youtube

नेशनल एचीवमेंट सर्वे 2021

सीखने के प्रतिफल (L.Os.) एवं पाठ्यपुस्तक और चैक लिस्ट संकेतक की मैपिंग

नाम विद्यालय : राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय खोरालाडखानी (शाहपुरा)
जिले का नाम : जयपुर
ब्लॉक : शाहपुरा
पीईईओ का नाम : रा० उ० मा० वि० खोरालाडखानी (शाहपुरा)
विषय : पर्यावरण
कक्षा: 3

क्रम संख्या	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का संदर्भ (अध्याय संख्या और पृष्ठ संख्या) (2)	चैक लिस्ट संकेतक संरेखण (3)
1.	सामान्य रूप से अवलोकन द्वारा पहचाने जाने वाले लक्षणों के आधार पर अपने आस-पास के परिवेश में उपलब्ध पेड़ों की पत्तियों, तनों, छाल को पहचानते हैं।	हरी-हरी पत्तियां, अध्याय संख्या - 5, पृष्ठ संख्या 216 - 224	परिवेश में उपलब्ध परिवार / जल / पेड़पौधों से सम्बंधित सूचनाओं को बता पाना।
2.	अपने परिवेश में पाये जाने वाले जीव जन्तुओं को उनके सामान्य लक्षणों के आधार पर पहचानते हैं।	देखो, जंगल अजब निराला अध्याय - 6 पृष्ठ संख्या - 225 - 231	दैनिक क्रियाकलापों व स्वच्छता को जान पाना
3.	परिवार के सदस्यों के मध्य अपने तथा उनके आपस के संबंधों को समझते हैं।	रिश्ते-नाते, अध्याय - 1 पृष्ठ संख्या - 183 - 195	सामाजिक व पारिवारिक सम्बंधों को जान पाना।
4.	विभिन्न आयु वर्ग के व्यक्तियों, जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के लिये	अध्याय - 8 जल ही जीवन का आधार। पृष्ठ संख्या - 239 - 244	परिवार / पेड़-पौधों / भोजन से सम्बंधित विशेषताओं के आधार

studywithrsm.com

Be Positive Rainbow - Youtube

क्रम संख्या	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का संदर्भ (अध्याय संख्या और पृष्ठ संख्या) (2)	चैक लिस्ट संकेतक ...खण (3)
	में वस्तुओं के गुणों का अनुमान लगाते हैं।		
10	भ्रमण के दौरान विभिन्न तरीकों से वस्तुओं/गतिविधियों स्थानों के अवलोकनों व जानकारियों को रिकॉर्ड करते हैं।	यातायात के साधन अध्याय - 19 127	गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रम बद्ध कर पाना।
11.	चित्र, डिजाइन, नमूनो, मॉडलों सरल मानचित्रों और नारों आदि की रचना करते हैं।	आओ नक्शा बनाएँ अध्याय - 16. 108	
12	स्थानीय, भीतर तथा बाहर खेले जाने वाले खेलों के नियम तथा सामूहिक कार्यों का अवलोकन होता है।	अध्याय - 3 खेल - खेल में 17	विभिन्न खेलों के एक निश्चित क्रम की प्रक्रियाओं को पहचान पाना।
13	अच्छे बुरे स्पर्श, जेंडर बैलेंस में परिवार में कार्य/खेल/लोक के संबंध में। पानी के उपयोग पर अपनी आवाज उठाते हैं।	अध्याय - 7 आओ पानी को समझें 44	दूसरों के विचार व राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।
14	अपने आस-पास के पौधों, जंतुओं, बड़ो, विशेष आवश्यकता वालों तथा विविध पारिवारिक व्यवस्था के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हैं।	अध्याय - 9 को जानें विविधता, भोजन सम्बन्धी अच्छी आदतें - 57 - 65	पर्यावरण के प्रति जागरूक रह पाना।

studywithrsm.com

Be Positive Rainbow - Youtube

प्रा... खोरा... पुरा)

क्रम संख्या	सीखने के प्रतिफल (L.Os.) (1)	पाठ्यपुस्तक का संदर्भ (अध्याय संख्या और पृष्ठ संख्या) (2)	चैक लिस्ट संकेतक संरेखण (3)
	पानी तथा भोजन की उपलब्धता एवं घर तथा परिवेश में पानी के उपयोग का वर्णन करते हैं।		प्रथम नेक समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।
5.	मौखिक/लिखित/अन्य तरीकों से परिवार के सदस्यों की भूमिका, परिवार का प्रभाव एवं साथ रहने की आवश्यकता का वर्णन करते हैं।	रिश्ते-नाते - अध्याय - 1 पृष्ठ संख्या - 1 - 10	स्वच्छता, खेल, पेड़-पौधों एवं जल के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित व अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।
6.	समानताओं/असमानताओं के अनुसार वस्तुओं, पक्षियों, जंतुओं, लक्षणों, गतिविधियों को विभिन्न ज्ञानेंद्री अंगों के उपयोग द्वारा पहचान कर उनके समूह बताते हैं।	भोजन सम्बंधी अच्छी आदतें - अध्याय 11 72 - 78	
7	वर्तमान और पहले की वस्तुओं और गतिविधियों में अंतर करते हैं।	आओ पानी को समझें अध्याय 7 44 - 50	विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीजें/मॉडल/चार्ट बना पाना।
8	चिन्हों द्वारा/संकेतों द्वारा/बोलकर सामान्य मानचित्रों में दिशाओं/वस्तुओं/स्थानों की स्थितियों की पहचान करते हैं।	अध्याय - 16 आओ नक्शा बनाएं 108	
9	दैनिक जीवन की गतिविधियों में		

studywithrsm.com

[illegible] खोराला[illegible] (शाहपुरा)
Be Positive Rainbow - Youtube